

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ ए
ऐ ओ औ ऋ ॠ
क ख ग घ ङ च छ ज
झ ञ ट ठ ड ढ णा त थ द
ध न प फ ब भ म य र ल
ळ व श ष स ह ग ज ङ ब
० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

Universal Declaration of Human Rights

मानवाधिकाराणां जागत-अभिघोषणायाः पंचाशत्तमा वर्षपूर्तिः।
1948-1998

-----*

Whereas recognition of the inherent dignity and of the equal and inalienable rights of all members of the human family is the foundation of freedom, justice and peace in the world,

Whereas disregard and contempt for human rights have resulted in barbarous acts which have outraged the conscience of mankind, and the advent of a world in which human beings shall enjoy freedom of speech and belief and freedom from fear and want has been proclaimed as the highest aspiration of the common people,

Whereas it is essential, if man is not to be compelled to have recourse, as a last resort, to rebellion against tyranny and oppression, that human rights should be protected by the rule of law,

Whereas it is essential to promote the development of friendly relations between nations,

Whereas the peoples of the United Nations have in the Charter reaffirmed their faith in fundamental human rights, in the dignity and worth of the human person and in the equal rights of men and women and

have determined to promote social progress and better standards of life in larger freedom,

Whereas Member States have pledged themselves to achieve, in cooperation with the United Nations, the promotion of universal respect for and observance of human rights and fundamental freedoms,

Whereas a common understanding of these rights and freedoms is of the greatest importance for the full realization of this pledge,

Now, therefore, The General Assembly proclaims this Universal Declaration of Human Rights as a common standard of achievement for all peoples and all nations, to the end that every individual and every organ of society, keeping this Declaration constantly in mind, shall strive by teaching and education to promote respect for these rights and freedoms and by progressive measures, national and international, to secure their universal and effective recognition and observance, both among the peoples of Member States themselves and among the peoples of territories under their jurisdiction.

» अनुच्छेदः 1

सर्वे मानवाः स्वतन्त्राः समुत्पन्नाः वर्तन्ते अपि च, गौरवदृशा अधिकारदृशा च समानाः एव वर्तन्ते। एते सर्वे चेतना-तर्क-शक्तिभ्यां सुसम्पन्नाः सन्ति। अपि च, सर्वेऽपि बन्धुत्व-भावनया परस्परं व्यवहरन्तु।

» अनुच्छेदः 2

अस्यां अभिघोषणायां निर्दिष्टाः सर्वेऽपि अधिकाराः सर्वाण्यपि च स्वातन्त्र्याणि, विनैव जाति-वर्ण-लिंग-भाषा-धर्म-राजनीतिक-तदितर-मन्तव्यादि-भेदम्, राष्ट्रीयं सामाजिकाधारं सम्पज्जन्म-तदितर स्तरञ्च अविगण्य, अधिगन्तुं सर्वेऽपि जनः प्रभवति।

» अनुच्छेदः 3

सर्वेऽपि जनः जीवन-स्वातन्त्र्य-सुरक्षाधिकारं संधत्ते।

» अनुच्छेदः 4

न कमपि जनं दासत्वेन पराधीनत्वेन वा धारयितुं अनुज्ञास्यते। अपि च दासव्यापारः पूर्णरूपेण प्रतिषिद्धः स्थास्यति।

Exclusive: बाल
मजदूरी के खात्मे तक
करूंगा संघर्ष, तभी
मिलेगी 'असली
सफलता': कैलाश
सत्यार्थी

नई दिल्ली। शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे बचपन बचाओ आंदोलन के संस्थापक कैलाश सत्यार्थी को वर्ष 2014 का शांति के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने की उनके स्टाफ ने जानकारी दी, तो पहले उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ। फिर अचानक उनके मुंह से निकला, 'नोबेल पुरस्कार'। यह वे पल थे, जब उनकी आंखें पहली बार नम देखी गईं। इससे पहले उनके स्टाफ या परिवार के लोगों ने उन्हें इतना भावुक नहीं देखा था।

इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए कैलाश सत्यार्थी के नाम की घोषणा होने के बाद वे एकाएक राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों के केंद्र में आ गए। कालकाजी के एल ब्लॉक स्थित उनके दफ्तर में कुछ देर बाद ही हालात यह हो गए कि यह पूरा इलाका मीडिया और लोगों की भीड़ से जाम हो गया। यही नहीं, बचपन बचाओ आंदोलन की वेबसाइट पर भी इतना इंटरनेट ट्रैफिक आया कि वह क्रैश तक हो गई।

1980 से अब तक 82,625 बच्चों को बाल मजदूरी के दंश से छुटकारा दिलाने वाले कैलाश सत्यार्थी का मानना है कि अब उनकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है। वह इसे दुनिया भर के करोड़ों बच्चों का सम्मान मान रहे हैं। तमाम व्यस्तताओं के बीच कैलाश सत्यार्थी ने dainikbhasakar.com से विशेष बातचीत की। पढ़िए कुछ अंश-
प्रश्न: आपको शांति के लिए पाकिस्तानी लड़की मलाला के साथ नोबेल पुरस्कार मिला है। कैसे देखते हैं इसे?

कैलाश सत्यार्थी: यह मेरा नहीं, बल्कि उन करोड़ों बच्चों का सम्मान है, जिनके समाज की मुख्य धारा में अब तक कोई पहचान नहीं मिली। जिन्हें उनके अधिकार और उनकी आजादी नहीं मिली। आज भी दुनिया भर में करोड़ों बाल श्रमिक हैं। लिहाजा, यह सम्मान उन तमाम सभी बच्चों का है। मैं इस सम्मान को पूरे देश के गर्व के साथ जोड़ कर देखता हूँ।

कम उत्पादन के बावजूद ज्यादा नहीं बढ़ेंगी ग्वार की कीमतें, कैरी ओवर स्टॉक देगा सपोर्ट

Commodity Team | Oct 10, 2014, 21:39 pm

देश में इस बार ग्वार का उत्पादन 10 लाख टन तक घट सकता है। हालांकि, एक्सपर्ट इसके बावजूद कीमतों में बड़ी तेजी की बात को नकार रहे हैं। पिछले सीजन का ज्यादा कैरी ओवर स्टॉक और मांग की तुलना में ज्यादा सप्लाई इसका अहम कारण है।

दायरे में रहेंगी कीमतें

अक्टूबर-मार्च के दौरान ग्वार सीड 5000-6000 रुपए प्रति क्विंटल पर कारोबार कर सकता है। वहीं, ग्वार गम की कीमतें 15,000-18,500 रुपए प्रति क्विंटल के बीच रहने का अनुमान है। लुसिड कोलाइडस के एमडी उदय मर्चेंट का कहना है कि 5000 रुपए प्रति क्विंटल ही ग्वार सीड का सही भाव है। इससे पहले 2011-12 में ग्वार के दाम में आई तेजी काल्पनिक थी, जो वायदा बाजार में हुई हेरा-फेरी के चलते दर्ज की गई थी।

Ron Rash

«एक बड़े घाटे से कई गुना अच्छा होता है एक छोटा मुनाफा।»

कितना रह सकता है उत्पादन

बाजार से जुड़े सुत्रों के मुताबिक, चालू सीजन में ग्वार का उत्पादन 20 से 23 लाख टन तक रह सकता है, जबकि पिछले साल उत्पादन 30 लाख टन था। ऐसे में इस सीजन में उत्पादन में 7 से 10 लाख टन तक की कमी रह सकती है। वहीं, कुछ कारोबारियों का मानना है कि देश में उत्पादन आधा हो सकता है। हालांकि, उत्पादन को लेकर अभी सरकारी आंकड़ें जारी नहीं हुए हैं।

भारत आधिकारिक नाम Grumpy wizards

9: भारत आधिकारिक नाम भारत गणराज्य (अंग्रेज़ी: Republic of India, रिपब्लिक ऑफ़ इंडिया) दक्षिण एशिया में स्थित भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा देश है पूर्ण रूप से उत्तरी गोलार्ध में स्थित भारत का भौगोलिक विस्तार $6^{\circ} 8'$ से $36^{\circ} 6'$ उत्तरी अक्षांश तक तथा $68^{\circ} 0'$ से $96^{\circ} 25'$ पूर्वी देशान्तर तक है और इसका भौगोलिक विस्तार उत्तर से दक्षिण तक 3,218 कि. मी. और पूर्व से पश्चिम तक 2,933 कि. मी. है भारत की समुद्र तट रेखा 7516.6 किलोमीटर लम्बी है [8] भारत, भौगोलिक दृष्टि से विश्व में सातवाँ सबसे बड़ा और जनसंख्या के दृष्टिकोण से दूसरा सब से बड़ा देश है भारत के पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर-पूर्व में चीन, नेपाल, और भूटान, पूर्व में बांग्लादेश और म्यान्मार और उत्तर पश्चिम में अफगानिस्तान देश स्थित है हिन्द महासागर में इसके दक्षिण पश्चिम में मालदीव, दक्षिण में श्रीलंका और दक्षिण-पूर्व में इंडोनेशिया से भारत की सामुद्रिक सीमा लगती है इसके उत्तर की भौतिक सीमा हिमालय पर्वत से और दक्षिण में हिन्द महासागर से ब...

18: Grumpy wizards make toxic brew for the evil Queen and Jack. One morning, भारत आधिकारिक नाम भारत गणराज्य (अंग्रेज़ी: Republic of India, रिपब्लिक ऑफ़ इंडिया) दक्षिण एशिया में स्थित भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा देश है पूर्ण रूप से उत्तरी गोलार्ध में स्थित भारत का भौगोलिक विस्तार $6^{\circ} 8'$ से $36^{\circ} 6'$ उत्तरी अक्षांश तक तथा $68^{\circ} 0'$ से $96^{\circ} 25'$ पूर्वी देशान्तर तक है और इसका भौगोलिक विस्तार उत्तर से दक्षिण तक 3,218 कि. मी. और पूर्व से पश्चिम तक 2,933 कि. मी. है भारत की समुद्र तट रेखा 7516.6 किलोमीटर लम्बी है [8] भारत, भौगोलिक दृष्टि से विश्व में सातवाँ सबसे बड़ा और जनसंख्या के दृष्टिकोण से दूसरा सब से बड़ा देश है भारत के पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर-पूर्व में चीन, नेपाल, और भूटान, पूर्व में

13: He lay on his armour-like back, and if he lifted his head a little he could see his brown belly, slightly domed and divided by arches into stiff sections. भारत आधिकारिक नाम भारत गणराज्य (अंग्रेज़ी: Republic of India, रिपब्लिक ऑफ़ इंडिया) दक्षिण एशिया में स्थित भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा देश है पूर्ण रूप से उत्तरी गोलार्ध में स्थित भारत का भौगोलिक विस्तार $6^{\circ} 8'$ से $36^{\circ} 6'$ उत्तरी अक्षांश तक तथा $68^{\circ} 0'$ से 96°

$25'$ पूर्वी देशान्तर तक है और इसका भौगोलिक विस्तार उत्तर से दक्षिण तक 3,218 कि. मी. और पूर्व से पश्चिम तक 2,933 कि. मी. है भारत की समुद्र तट रेखा 7516.6 किलोमीटर लम्बी है [8] भारत, भौगोलिक दृष्टि से विश्व में सातवाँ सबसे बड़ा और जनसंख्या के दृष्टिकोण से दूसरा सब से बड़ा देश है भारत के पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर-पूर्व में चीन, नेपाल, और भूटान, पूर्व में बांग्लादेश और म्यान्मार और उत्तर पश्चिम में अफगानिस्तान देश स्थित है हिन्द महासागर में

कि द्वि ट्टि झि ड्डि ड्डि झि हिं हिं स्वि ग्नि क्त शू ख्वौ
ख्वौ ख्वौ कौ किं दृ दृ दृ दृ किं क्ल खि ख्वि ग्रि कीं हिं
य
अरदिल्ला दे मि चोरडोन
विदर्भ
शिक्षक असावेत “बेस्ट ऑफ दी ब्रेन्स”
परदेशी विद्यार्थ्यांसाठी केवायसी नियम शिथिल
तंटामुक्तीतील ८७ जिल्ह्यांना पुरस्कार रकमेची प्रतीक्षा
ठ ठ ह ह ठ ठ क्र
अधिकारी
अश्वमेध अश्विनी अस्मिता
पैश्याच्या
मुंब्रायात
मुंब्रा
ब्रूय
खै
रह र्य
ऱ्क
द्रध्य
श्र
क्त
ङक्त